२०२१-२२

शास्त्री परीक्षा

खण्ड- तृतीय, अधिसत्र – द्वितीय

विषय- हिन्दी, पत्र- तृतीय

समयः ३½ घण्टे **सम्पूर्णाङ्क – ७०**

निर्देशः एक पंक्ति में १० शब्द तथा एक पृष्ठ में कम से कम ८ पंक्तियों में उत्तर लिखना अपेक्षित है।

खण्ड – अ

१. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए - **१५x१=१५**

क. चित्रलेखा कौन हैं?

ख. विशालदेव किसका शिष्य है?

ग. भगवती चरण वर्मा के दो उपन्यासों के नाम लिखिए।

घ. निर्मला किस प्रकार का उपन्यास है?

ङ. प्रेमचन्द के दो उपन्यासों के नाम लिखिए।

च. हिन्दी का पहना मौलिक उपन्यास किसे माना जाता है?

छ. 'चन्द्रकान्ता'के लेखक कौन हैं?

ज. 'त्यागपत्र'किसका उपन्यास है?

झ. मंसाराम कौन है?

ञ. 'निर्मला'किस प्रकार का उपन्यास है?

ट. 'गेशेजम्पा' उपन्यास का विषय क्या है?

ठ. 'गेशेजम्पा' के किस पात्र ने आपकों सबसे अधिक प्रभावित किया है?

ड. 'अमिता' किसका उपन्यास है?

ढ. बीजगुप्त कौन है?

ण. 'रंगभूमि' किसका उपन्यास है?

खण्ड- ब

२. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच के उत्तर दीजिए - ५x३=१५

क. उपन्यास की परिभाषा देते हुए इसका वर्गीकरण कीजिए।

ख. 'निर्मला' उपन्यास के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

ग. 'चित्रलेखा' उपन्यास के आधार पर बीजगुप्त का चरित्र-चित्रण कीजिए।

घ. 'गेशेजम्पा'उपन्यास की प्रमुख समस्या पर प्रकाश डालिए।

ङ. भगवती चरण वर्मा का साहित्यिक परीचय दिजीए।

च. 'चित्रलेखा'उपन्यास की भाषा-शैली की विशेषताएँ लिखिए।

छ. मंसाराम का चरित्र-चत्रिण कीजिए।

खण्ड – स

३. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए- ५x६=३०

क. हिन्दी उपन्यास के उद्भव एवं विकास पर एक निबन्ध लिखिए।

ख. 'चित्रलेखा' उपन्यास का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

ग. 'चित्रलेखा' के चरित्र की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

घ. बौद्ध धर्म के मूल सिद्धातों की विवेचना कीजिए।

ङ. बैद्धधर्म से प्रभावित हिन्दी के तीन प्रमुख उपन्यासों का परिचय दीजिए।

च. 'गेशेजम्पा'उपन्यास का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

खण्ड – द

४. किन्हीं दो अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए - २x५=१०

क. चौथे दिन संध्या समय वह विपत्ति-कथा समाप्त हो गई। उसी समय जब पशु-पक्षी अपने बसेरे को लौट रहे थे, निर्मला का प्राण-पक्षी भी दिन-भर शिकारियों के निशानों, शिकारी चिड़ियों के पंजों और वायु के प्रचण्ड झोंकों से आहत और व्यथित अपने बसेरे की ओर उड़ गया।

ख. यशोधरा एक प्रतिमा थी, जिसे हृदय-मंदिर में बिठाकर पूजा जा सकता था; यशोधरा में नारीत्व के आदर्शवादद से युक्त पवित्रता थी। यशोधरा धर्म के विश्वास की प्रतिमूर्ति थी। यशोधरा की आँखों की सुधा में शान्ति थी, शीतलता थी।

ग. व्याकुलता में गेशेजम्पा ने उठकर खिड़की खोल दी। बाहर एक निस्तब्ध सन्नाटा बिखरा था। ठंडी हवा का एक हल्का झोंका उनके कक्ष में घुसने का प्रयास करने लगा। चीवर के ऊपर से ओढ़े गए कत्थई शाल को भेदती हुई ठंडक उनकी नंगी भुजाओं को स्पर्श करने लगी तो उन्हे सिहरन-सी हुई थी।

****